शाला विकास योजना

प्रपत्र-1

शाला विकास योजना

शाला विकास योजना शाला स्तर पर ही रखी जावेगी। इस योजना के मुख्यबिन्दु जिनका समाधान वरिष्ठ कार्यालय द्वारा संबंधित है उन बिन्दुओं को जनशिक्षा विकास योजना प्रपत्र--2 में भरकर भेजा जाना है।

(यदि वर्ष 2020--21में प्रपत्र--1 बनाया गया है तो उसे इस वर्ष अद्यतन करें)

वर्ष 2021--22

शाला का नाम :

शाला का डायस कोड : □□□□□□□□□□□

जनशिक्षा केन्द्र :

विकासखण्ड :

जिला : सिवनी

शाला भवन का फोटो ग्राफ

सचिव
शाला प्रबंध समिति
शाला ... .
विकासखण्ड ....

अध्यक्ष
शाला प्रबंध समिति
प्राथमिक / माध्यमिक शाला ....
विकासखण्ड ....
जिला ....

विद्यालय एक लघुकृत समाज है, जहां मानवीय सम्बंधों के ताने बाने रूपी उपकरणो के आधार पर भावी नागरिक और समाज का निर्माण किया जाता है, यदि शाला स्तर पर शिक्षक, समुदाय और बच्चें साझेदारी के साथ स्कूल विजनिंग का कार्य करते हुए "शाला के विकास की योजना" बनाते हैं, तब इन सभी सम्बंधितों में शाला के प्रति अपनत्व उत्पन्न कर पाठ्य चर्चा के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

साझेदारी से बनाई गई कोई भी योजना अधिक सार्थक, व्यवहारिक व अपनत्व का बोंध कराने वाली होती है, इसी अवधारण को लेकर प्रदेश की शालाओं में " शाला विकास योजना" का निर्माण किया जा रहा है।

शाला विकास के आयाम :

भविष्य में हमारी शाला कैसी हो, इस हेतु त्रिवर्षीय कार्ययोजना (सत्र 2021–22, 22–23, 23–24) की तैयारी की जानी है। जिसमें शाला विकास के चार प्रमुख आयामों को दृष्टिगत रखते हुए शाला विकास योजना का निर्माण किया जाना है।

भौतिक आयाम :

शाला में भौतिक वातावरण के लिए यह व्यवस्थायें होनी चाहिए –

- बच्चों की संख्या के अनुपात में शिक्षण कक्षों की व्यवस्था।
- बच्चों के अनुपात में शिक्षकों की व्यवस्था।
- शाला में शिक्षकों एवं बच्चों की उचित बैठक व्यवस्था।
- कक्षा कक्ष की साज–सज्जा एवं परिसर की स्वच्छता।
- शाला में, खेल एवं मनोरंजन आदि की सुविधाएं।
- शाला में स्वच्छ पेयजल और शौचालय की सुविधायें।

संज्ञानात्मक (अकादमिक) आयाम :

- सीखने सिखाने का आनन्ददायी वातावरण।सीखने सिखाने के भरपूर अवसर।सीखने सिखाने के मजेदार तरीके।मूल्यांकन

गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि स्थानीय समुदाय को अपने बच्चों की शिक्षा में निर्णय लेने के अवसर दिए जाएं। अतः शाला से संबंधित विभिन्नपक्षों के आपसी सम्बंधों को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जाएँ जैसे –

- बालक बालक संबंध
- बालक शिक्षक संबंध
- शिक्षक शिक्षक संबंध
- शिक्षक समुदाय संबंध

संस्थागत आयाम :

संस्था (शाला) बच्चों के सीखने में अहम भूमिका निभाती है। अतः संस्था को खेल, सांस्कृतिक, साहित्यक गतिविधियां, समुदाय से सहयोग लेने की क्षमता, शिक्षक–छात्र उपस्थिति, ठहराव, उपलब्धियां सुनिश्चित करने हेतु समुचित प्रबंध करना चाहिए।

शाला विकास योजना की प्रक्रिया :

- सबसे पहले ग्राम की प्रोफाइल तैयार करने, जिसमें गांव में उपलब्ध मानवीय एवं भौतिक संसाधन, मूल्य व्यवसाय, त्यौहार, मेले, गौरव पूर्ण अतीत (इतिहास) आदि की जानकारी तैयार की जाए।
- विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों तथा आवश्यकताओं की स्थिति दर्शाने में लिए स्कूल प्रोफाइल बनाएं।
- पालकों व स्थानीय समुदाय को अवगत करायें कि आपके पास क्या क्या संसाधन है शाला को अच्छा बनाने के कौन कौन से संसाधन और चाहिए ? वांछित संसाधनों की सूची बनाएं।
- यह भी विचार करें कि कौन से संसाधन समुदाय से प्राप्त हो सकते हैं। कौन व्यक्ति इसकी जिम्मेदारी लेगा यह भी तय करें।
- विद्यालय से जुड़े सभी पक्षों की योजना सबको मिलाकर बनानी होगी व उस पर अमल करना होगा।
- बनाई गई कार्य योजना के लिए बच्चों, शिक्षकों व पालकों की पृथक–पृथक टीम बनानी होगी।
- कार्य का वितरण इस प्रकार करना होगा कि हर व्यक्ति को पता हो कि उसे कौन सा कार्य कब करना है, किसके सहयोग से करना है।
- शाला विकास योजना तैयार करने के पूर्व बच्चों, एस.एम.सी. व साथी शिक्षकों से पृथक–पृथक चर्चा कर शाला की वर्तमान स्थिति एवं चाही गई स्थिति का निर्धारण कर कर प्रक्रिया, उत्तरदायित्व एवं समयावधि तय करनी होगी।

ग्राम प्रोफाइल

ग्राम का नाम पंचायत का नाम .

जनशिक्षा केन्द्र .... विकासखण्ड जिला ....

जनसंख्या महिला .... पुरुष .... योग............

साक्षरता दर महिला .... पुरुष .... योग ....

ग्राम में उपलब्ध शिक्षा सुविधाएं (संख्या) प्राथमिक (शास........ अशास ......)

मिडिल (शास .... अशास ....) हाईस्कूल (शास........ अशास .....)

हायर सेकेण्डरी (शास........ अशास .....)

मुख्य व्यवसाय आय के साधन ....

प्रमुख उद्योग धंधे .... मुख्य फसलें/वनोपज ....

बोली जाने वाली बोलियां .... गांव या आस पास के मेले

धार्मिक आयोजन् सांस्कृतिक आयोजन्

गांव की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहर .... धार्मिक स्थल्

लोक गीत ....

मुख्य पहाड़/जंगल/नदियां आदि

शिक्षण संस्थाएं : निजी शिक्षण संस्थाओं का विवरण ....

शास. शिक्षण संस्थाओं का विवरण

निम्नलिखित सुविधाओं की स्थिति क्या है तथा शाला से इनका कैसा संबंध है?

....

आंगनवाड़ी – स्थिति .... संबंध ....

स्वास्थ्य केन्द्र – स्थिति .... संबंध ....

पोस्ट आफिस – स्थिति .... संबंध ....

पुलिस स्टेशन – स्थिति .... संबंध ....

बैंक – स्थिति .... संबंध .... ग्राम ....

पंचायत/नगर पंचायत – स्थिति .... संबंध .

स्व सहायता समूह – स्थिति .... संबंध ....

क्या गांव तक रेल/सड़क मार्ग है ? ....

यदि गांव में अन्य सुविधा हो तो लिखें ....

जिला मुख्यालय से गांव की दूरी ....

विकासखण्ड ....

स्थान हस्ताक्षर ....

दिनांक नाम ....

शाला का नाम ....

2. शाला प्रोफाइल

शाला का नाम ....

शाला का डाइस कोड ....

शाला लगने का समय .... से .... तक ....

भवन की स्थिति ....

शिक्षण कक्षों की संख्या ....

स्टाफ रूम है या नहीं ....

प्रधानाध्यापक कक्ष ....

शाला में उपलब्ध सुविधाएं

प्रयोग शाला स्थिति .... आवश्यकता ....

पुस्तकालय स्थिति .... आवश्यकता ....

कम्प्यूटर स्थिति .... आवश्यकता ....

अतिरिक्त कक्ष स्थिति .... आवश्यकता ....

किचन शेड स्थिति .... आवश्यकता ....

फर्नीचर स्थिति .... आवश्यकता ....

खेल का मैदान स्थिति .... आवश्यकता ....

बाउण्ड्रीवाल स्थिति .... आवश्यकता ....

पेयजल स्थिति .... आवश्यकता ....

बालक बालिकाओं हेतु पृथक पृथक शौचालय स्थिति .... आवश्यकता ....

रैम्प रेलिंग सहित/रेलिंग रहित, स्थिति .... आवश्यकता ....

सफाई कर्मचारी स्थिति .... आवश्यकता ....

शाला प्रोफाइल :

बच्चों से शुल्क लिया जाता है (हाँ/नहीं) ....

अधिगम साधनों की उपलब्धता ....

आवश्यकता ....

शिक्षकों की संख्या स्थिति

आवश्यकता ....

कौन सा विषय पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं है–विषय ....

....

अप्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या ....

शिक्षक प्रशिक्षण की स्थिति ....

आवश्यकता ....

शिक्षकों के परस्पर संबंध ....

शिक्षकों के समुदाय से संबंध ....

शिक्षकों के आवास हेतु शासकीय भवन है ....

शाला शिक्षा कोष के उपयोग की स्थिति ....

आवश्यकता ....

शाला में प्रार्थना सभा में होने वाली गतिविधियों का उल्लेख करें

क्या कक्षा में बच्चों के बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था है ....

कक्षा में पर्याप्त हवा प्रकाश एवं विद्युत व्यवस्था है ....

शाला में अध्ययनरत छात्रों की उपलब्धियां –

खेलकूद में

साहित्यक सांस्कृतिक गतिविधियों में

पठन पाठन में (मेरिट सूची) ....

शिक्षकों की उपलब्धियां/पुरस्कार ....

जिला स्तर/राज्य स्तर/राष्ट्रीय स्तर ....

शाला में सहयोग करने वाले अन्य व्यक्ति/संस्थाएं/सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं/एन.जी.ओ. से प्राप्त योगदान का विवरण दें ....

....

क्या शाला का समय बच्चों तथा पालकों की सुविधा से तय किया गया है ....

....

जन शिक्षा केन्द्र की शाला के विकास में भूमिका

....

....

शाला के कार्यों में आपको किससे और किस प्रकार की सहायता मिलती है ....

....

प्रधान अध्यापक का नाम

हस्ताक्षर

बच्चों का प्रोफाइल

विवरण	3–6 आयु वर्ग				6–11 आयु वर्ग				11–14 आयु वर्ग				योग
	अनु. जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	सामान्य	
गणवेश													
पाठ्य पुस्तक													
नामांकन													
अप्रवेशी													
शाला त्यागी													
विकलांग													
निःशुल्क साइकिल वितरण													

शाला में दर्ज बच्चों की संख्या :

वर्ग	I		II		III		IV		V		VI		VII		VIII		Total	
	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G
अनु. जाति																		
अनु. जन जाति																		
अन्य पि.वर्ग.																		
साम.																		
योग																		
अल्प संख्यक																		
बी.पी.एल.																		
सी.डब्लू. एस. एन.																		

शाला में पदस्थ शिक्षकों का विवरण (शिक्षक प्रोफाइल) –

क्रमांक	शिक्षक का नाम	पद	पुरुष / महिला	शैक्षणिक योग्यता	व्यवसायिक योग्यता	प्रशिक्षित / अप्रशिक्षित	अध्यापन अनुभव
1							
2							
3							
4							
5							

प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी / आवश्यकता

विवरण	प्राथमिक स्तर		माध्यमिक स्तर		आवश्यकता		आवश्यकता की पूर्ति	
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका
पाठ्य पुस्तक								
साइकिल								
छात्रवृत्ति								
विकलांग उपकरण								
मध्यान्ह भोजन								

शाला विकास के विभिन्न आयामों की स्थिति प्रपत्र 1

क्रमांक	आयाम	वर्तमान स्थिति	चाही गई स्थिति (प्रस्तावित कार्य)
1.	संज्ञानात्मक आयाम सीखने की स्थिति • सीखने का वातावरण • सीखने के तरीके • सीखने के अवसर • मूल्यांकन		
2.	सामाजिक आयाम • शिक्षक–बालक संबंध • बालक–बालक संबंध • शिक्षक–समाज संबंध • सामाजिक मूल्य		
3.	संस्थगत आयाम • नियमित उपस्थिति • ठहराव • खेल, साहित्यक, सास्कृतिक गतिविधियां • समुदाय से सहयोग की क्षमता • प्रबंधन		
4.	भौतिक आयाम अद्योसंरचना • शाला भवन • प्रयोगशाला • पुस्तकालय • कम्प्यूटर • अतिरिक्त कक्ष • किचन शेड • फर्नीचर • खेल सामग्री		

	• खेल का मैदान • बाउण्ड्रीवाल • पेयजल • बालक/बालिकाओं हेतु पृथक पृथक शौचालय • रेम्प एंव रैलिंग सहित • विद्यालय का परिवेश/पर्यावरण		

शाला विकास योजना

शाला का नाम .... जनशिक्षा केन्द्र ....

विकासखण्ड .... जिला–सिवनी

क्रमांक	आयाम	प्रस्तावित गतिविधियां	उत्तरदायित्व	प्रक्रिया	समयावधि			रिमार्क
					प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1.	संज्ञानात्मक सीखने की स्थिति • सीखने का वातावरण • सीखने के तरीके • सीखने के अवसर • मूल्यांकन							
2.	सामाजिक आयाम • शिक्षक बालक संबंध • बालक बालक संबंध • शिक्षक समाज संबंध • सामाजिक मूल्य							
3.	संस्थगत • नियमित उपस्थिति • समुदाय से सहयोग की क्षमता • सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियां • प्रबंधन							
4.	भौतिक आयाम अद्योसंरचना • प्रयोगशाला • पुस्तकालय • कम्प्यूटर • अतिरिक्त कक्ष							

	• किचन शेड • फर्नीचर • खेल सामग्री • खेल का मैदान • बाउण्ड्रीवाल • पेयजल • बालक/बालिकाओं हेतु पृथक पृथक शौचालय • रेम्प एंव रेलिंग सहित परिवेश /पर्यावरण							

हस्ताक्षर प्रधानाध्यापक प्रा./मा./शाला .... वि. खण्ड ... जिला–सिवनी	हस्ताक्षर शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रा./मा./शाला ... वि. खण्ड .... जिला–सिवनी	हस्ताक्षर जनशिक्षक जनशिक्षा केन्द्र .... वि. खण्ड .... जिला–सिवनी

शाला विकास योजना
प्रपत्र-2

शाला विकास योजना प्रपत्र –2

(YEAR 2021-22)

शाला विकास योजना प्रपत्र–1 से भरकर जनशिक्षा केन्द्र को भेजने वाला प्रपत्र

शाला का नाम : **डायस कोड** ....

1. बच्चों की संख्या बालक .... बालिका .... कुल ....

2. कुल शिक्षकों की संख्या .... प्रशिक्षित संख्या .... अप्रशिक्षित संख्या .... RTE आधार पर आवश्यक शिक्षकों की संख्या ....

3. किस विषय में शिक्षक की आवश्यकता है विषय 1 .... 2 ....3 ....
......

4. शाला से बाहर बच्चों की संख्या (बसाहट में) बालक .... बालिका .... कुल ....

5. यदि शाला प्राथमिक है एवं मापदण्डानुसार माध्यमिक शाला की आवश्यकता है तो निम्नांकित प्रपत्र भरें।

शाला शिक्षा कोष में जमा कुल राशि रुपये ....

जनशिक्षक
जनशिक्षा केन्द्र ....

जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी
जनशिक्षा केन्द्र ....

प्राथमिकता के आधार पर शाला की आवश्यकता का उल्लेख करें।

शाला के शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु सुझाव के 5 बिन्दु लिखें।

1.

2.

3.

4.

5.

बच्चों की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शाला का प्रकार जिसमें वे सभी बिन्दु जो आरटीई के प्रवधानों को पूर्ण करते उन्हें हॉ लिखे अन्यथा नहीं लिखे।

RTE प्रावधानिक शाला उपरोक्त सभी बिन्दुओं की पूर्ण करती है अर्थात यदि 10 बिन्दु शाला के RTE अनुरूप है तो उसे कुल अंक 10 दें यदि उपरोक्त में से 5 बिन्दु की पूर्ण करते है तो उसे 5 अंक दें।

	घटक	प्राप्त अंक (यदि हां है तो उसे 1 अंक दें) नहीं तो 0 दें
1	बालिकाओं के लिये पृथक शौचालय	
2	बालकों के लिये शौचालय	
3	पीने के पानी की सुविधा	
4	रेम्प रेलिंग सहित	
5	अतिरिक्त कक्ष	
6	HM/Storeroom(केवल माध्यमिक शाला हेतु)	
7	बाउन्ड्रीवाल	
8	खेल मैदान	
9	पुस्तकालय	
10	किचन शेड	
11	शिक्षक बच्चों का अनुपात (PTR),	
12	बच्चों एवं कक्ष का अनुपात (SCR) (कुल बच्चों की संख्या/कक्ष की संख्या)	
	कुल अंक 12	

*आवश्यकता में पूर्व की स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों को शामिल न करें।